

प्रेषक

नितेश कुमार झा,  
सचिव  
उत्तराखण्ड शासन

सेवा में

निदेशक,  
चिकित्सा शिक्षा विभाग,  
उत्तराखण्ड, देहरादून

चिकित्सा शिक्षा अनुभभाग — 1

देहरादून: दिनांक 26 जून, 2019

विषय: चिकित्सा शिक्षा विभागान्तर्गत राजकीय मेडिकल कॉलेजों में राजकीय सेवा संबंधी बॉण्ड / अनुबन्ध पत्र को लागू किये जाने के संबंध में।

महोदय,

1 — कृपया उपर्युक्त विषयक अवगत कराना है कि वर्तमान में वीर चन्द्र सिंह गढ़वाली राजकीय आयुर्विज्ञान एवं शोध संस्थान, श्रीनगर गढ़वाल, राजकीय मेडिकल कॉलेज, हल्द्वानी, राजकीय दून मेडिकल कॉलेज, देहरादून एम.0बी0बी0एस0 एवं एम0डी0/एम0एस0 पाठ्यक्रमों में रियायती शिक्षण शुल्क के एवज में राजकीय सेवा सम्बंधी बॉण्ड की सुविधा अनुमन्य है। बॉण्डधारी चिकित्सकों को बॉण्ड की शर्तों के क्रम में राज्य के पर्वतीय, दुर्गम-दूरस्थ क्षेत्रों में संविदा पर चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के चिकित्सकों के पदों पर नियुक्ति दी जाती है।

वर्तमान में चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के अन्तर्गत चिकित्सकों के कुल 2735 सृजित पदों के सापेक्ष 2056 पदों पर चिकित्सक कार्यरत हैं। अतः इस प्रकार राजकीय मेडिकल कॉलेजों से पासआउट होने बाल चिकित्सकों से उक्त सभी रिक्त पद भर जायेंगे।

2 — राजकीय मेडिकल कॉलेजों से राजकीय सेवा संबंधी बॉण्ड / अनुबन्ध पत्र के अनुसार पाठ्यक्रम उत्तीर्ण करने वाले चिकित्सकों को राजकीय मेडिकल कॉलेजों में सीनियर / जूनियर रेजिडेन्सी पर तब तक नहीं रखा जाता है, जब तक कि उनके द्वारा अनुबन्ध पत्र के अनुसार सेवायें दुर्गमरुदूरस्थ क्षेत्रों में पूर्ण न की हों। जिस कारण राजकीय मेडिकल कॉलेजों में सीनियर / जूनियर रेजिडेन्टों की भारी कमी का सामना करना पड़ रहा है। साथ ही राजकीय सेवा संबंधी बॉण्ड / अनुबन्ध पत्र पर नॉन क्लीनिकल विषयों में पी0जी0 पाठ्यक्रम उत्तीर्ण करने वाले चिकित्सकों को प्रान्तीय चिकित्सा सेवा (चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग) में उनकी विशेषज्ञता के अनुरूप पद उपलब्ध नहीं है।

3 — उपरोक्त दृष्टिगत प्रकरण पर सम्यक् विचारोपरान्त निम्नलिखित निर्णय लिये गये हैं —

i — राजकीय मेडिकल कॉलेज, देहरादून और हल्द्वानी में बॉण्ड की सुविधा अनुमन्य नहीं होगी।

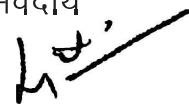
ii — वीर चन्द्र सिंह गढ़वाली राजकीय आयुर्विज्ञान एवं शोध संस्थान, श्रीनगर गढ़वाल तथा सोबन सिंह जीना राजकीय आयुर्विज्ञान एवं शोध संस्थान, अल्मोड़ा में छात्रों के लिए बॉण्ड की सुविधा ऐच्छिक आधार पर अनुमन्य होगी।



- iii- सभी शसकीय मेडिकल कॉलेजों में ऑल इण्डिया कोटे के माध्यम से एम0बी0बी0एस0 पाठ्यक्रम में प्रवेशित छात्रों के लिए बॉण्ड अनुमन्य नहीं होगा अर्थात् वे पूर्ण शुल्क पर ही पाठ्यक्रम पूर्ण करेंगे।
- iv- राजकीय सेवा संबंधी बॉण्ड से आच्छादित चिकित्सक एम0बी0बी0एस0 पाठ्यक्रम पूर्ण करने के उपरान्त प्रथम वर्ष जूनियर रेजीडेन्ट, दूसरे व तीसरे वर्ष की सेवायें राज्य के दूर्गम-दूरस्थ क्षेत्रों में अवस्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों में, अंतिम दो वर्षों की सेवायें राज्य के जिला चिकित्सालयों/पर्वतीय/सुगम क्षेत्रों में देंगे।
- v- नॉन क्लीनिकल विषयों के पी0जी0 पाठ्यक्रमों में चयनित छात्रों हेतु बॉण्ड की अनुमन्यता नहीं होगी, क्योंकि प्रांतीय चिकित्सा सेवा में राज्य के सुदूरवर्ती स्थानों पर अवस्थित चिकित्सालयों में उनकी विशेषज्ञता के अनुरूप पद नहीं है।
- vi- राजकीय मेडिकल कॉलेजों से उत्तीर्ण परा-स्नातक चिकित्सकों को राजकीय मेडिकल कॉलेजों में प्रथम वर्ष की सीनियर रेजीडेंसी करने करने की अनुमति होगी एवं इस बॉण्ड की शर्तों में उल्लिखित अवधि में सम्मिलित माना जायेगा। शेष दूसरे वर्ष की सेवायें राजस् के प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों / सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों में देंगे।
- vii- बॉण्ड की धनराशि समय-समय पर राज्य सरकार के द्वारा निर्धारित की जायेगी।

कृप्या उपरोक्तानुसार अग्रेसर आवश्यक कार्यवाही करना सुनिश्चित करने का कष्ट करें।

भवदीय

  
(नितेश कुमार झा)  
सचिव।

संख्या- संख्या- 837/XXVIII(1)/19-19(मे0का0)/2015 एवं दिनांक तदैव।  
प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रकषित :-

- 1- सचिव, श्री राज्यपाल, उत्तराखण्ड।
- 2- निजी सचिव, मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड।
- 3- महानिदेशक, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, उत्तराखण्ड।
- 4- समस्त प्राचार्य, राजकीय मेडिकल कॉलेज, उत्तराखण्ड।
- 5- कुलसचिव, हेमवती नन्दन बहुगुणा चिकित्सा शिक्षा विश्वविद्यालय, देहरादून।
- 6- गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

  
(शिव शंकर मिश्रा)  
अनु सचिव।



प्रेषक,

डी० सेन्थिल पाण्डियन,  
सचिव,  
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

1- महानिदेशक,  
चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण,  
उत्तराखण्ड।

2- निदेशक,  
चिकित्सा शिक्षा विभाग,  
निदेशालय, देहरादून।

3- समस्त प्राचार्य,  
राजकीय मेडिकल कॉलेज,  
उत्तराखण्ड।

चिकित्सा शिक्षा अनुभाग-1

देहरादून: दिनांक 20 दिसम्बर, 2016

विषय:- राजकीय मेडिकल कॉलेजों में एम०बी०बी०एस०/एम०डी०/एम०एस० पाठ्यक्रमों में रियायती शिक्षण शुल्क पर अध्ययनरत छात्र-छात्राओं हेतु अनिवार्य सेवा संबंधी बॉण्ड में विहित प्रतिभू धनराशि को बढ़ाये जाने के संबंध में।

महोदय

उपर्युक्त विषयक अवगत कराना है कि शासनादेश सं०-1145/XXVIII(1)/2013-U.O-03/2008 दिनांक 23.05.2013 के माध्यम से पूर्व में शासनादेश सं०-943/XXVIII(1)/2008-19/2005 T.C-IV दिनांक 23.07.2008 तथा शासनादेश सं०-2735/दस-2005-8(9)/2004 दिनांक 23.07.2008 द्वारा निर्धारित अनिवार्य राजकीय सेवा संबंधी पूर्व बॉण्ड को संशोधित कर उसके स्थान पर एम०बी०बी०एस० तथा एम०डी०/एम०एस० पाठ्यक्रम में रियायती दरों पर अध्ययनरत छात्र-छात्राओं हेतु अनिवार्य राजकीय सेवा संबंधी नवीन बॉण्ड प्रख्यापित किया गया।

2- अवगत कराना है कि उक्तानुसार एम०बी०बी०एस तथा एम०डी०/एम०एस० पाठ्यक्रम हेतु नवीन बॉण्ड प्रख्यापित किये जाने के पश्चात भी प्रायः यह संज्ञान में आया कि रियायती दर पर एम०बी०बी०एस० तथा एम०डी०/एम०एस० पाठ्यक्रम पूर्ण करने के पश्चात बॉण्डधारी चिकित्सकों द्वारा अनिवार्य राजकीय सेवा संबंधी बॉण्ड के अनुपालन को निष्फल किये जाने के उद्देश्य से मा० न्यायालय के समक्ष विभिन्न रिट याचिकायें योजित करके अनिवार्य राजकीय सेवा संबंधी बॉण्ड के अनुपालन से बचने का प्रयास किया जा रहा है, जिसका प्रतिकूल प्रभाव राज्य की स्वास्थ्य सेवाओं पर पड़ रहा है।

3- उक्त संबंध में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि शासनादेश सं०-1145/XXVIII(1)/2013-U.O-03/2008 दिनांक 23.05.2013 के माध्यम से राजकीय मेडिकल कॉलेजों में रियायती दरों पर एम०बी०बी०एस० तथा एम०डी०/एम०एस० पाठ्यक्रम में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं हेतु प्रख्यापित बॉण्ड को निम्नवत् संशोधित किये जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :-

i- शासनादेश सं०-1145/XXVIII(1)/2013-U.O-03/2008 दिनांक 23.05.2013 के माध्यम से राजकीय मेडिकल कॉलेजों में एम०बी०बी०एस० पाठ्यक्रम में रियायती दरों पर अध्ययनरत छात्र-छात्राओं हेतु प्रख्यापित बॉण्ड के प्रस्तर-5(iv)(a)(b) तथा



प्रस्तर-6(2) में विहित व्यवस्था को संशोधित करते हुए बॉण्ड धनराशि को बढ़ाकर एकमुश्त ₹ 2,00,00,000/- (₹ दो करोड़ मात्र) निर्धारित किया जाता है।

ii- शासनादेश सं०-1145/XXVIII(1)/2013-U.O-03/2008 दिनांक 23.05.2013 के माध्यम से राजकीय मेडिकल कॉलेजों में एम0डी0/एम0एस0 पाठ्यक्रम में रियायती दरों पर अध्ययनरत छात्र-छात्राओं हेतु प्रख्यापित बॉण्ड के प्रस्तर-5(iv)(a)(b) तथा प्रस्तर-6(2) में विहित व्यवस्था को संशोधित करते हुए बॉण्ड धनराशि को बढ़ाकर एकमुश्त ₹ 2,50,00,000/- (₹ दो करोड़ पचास लाख मात्र) निर्धारित किया जाता है।

4- उपरोक्तानुसार प्रस्तर-3(i) तथा 3(ii) में बड़ी हुई बॉण्ड धनराशि शैक्षणिक सत्र 2017-18 से लागू होगी।

5- उक्त के अतिरिक्त शासनादेश सं०-1145/XXVIII(1)/2013-U.O-03/2008 दिनांक 23.05.2013 के माध्यम से राजकीय मेडिकल कॉलेजों में रियायती दरों पर एम0बी0बी0एस0 तथा एम0डी0/एम0एस0 पाठ्यक्रम में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं हेतु प्रख्यापित बॉण्ड में विहित शेष शर्तें एवं प्रतिबन्ध यथावत् रहेंगे।

6- उपरोक्त में विहित प्राविधानों के अनुपालन का उत्तरदायित्व महानिदेशक, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, उत्तराखण्ड/निदेशक, चिकित्सा शिक्षा विभाग, देहरादून तथा समस्त राजकीय मेडिकल कॉलेजों के प्राचार्यों का होगा।

7- उक्त संबंध में कृपया कार्यवाही से तत्काल तथा भविष्य में समय-समय पर शासन को अवगत कराना सुनिश्चित करें।

भवदीय,  
(डी० सेन्थिल पाण्डेयन)  
सचिव।

संख्या- /XXVIII(1)/2016-19(मे०का०)/2015 एवं तदुद्दिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. महालेखाकार, उत्तराखण्ड, माजरा, देहरादून।
2. निजी सचिव, मा० मुख्यमंत्री को मा० मुख्यमंत्री जी के संज्ञानार्थ।
3. निजी सचिव, मा० चिकित्सा शिक्षा मंत्री को मा० चिकित्सा शिक्षा मंत्री जी के संज्ञानार्थ।
4. आयुक्त, गढ़वाल मण्डल/कुमायूँ मण्डल।
5. समस्त जिलाधिकारी, उत्तराखण्ड।
6. समस्त कोषाधिकारी, उत्तराखण्ड।
7. एन०आई०सी०, उत्तराखण्ड, देहरादून।
8. गार्ड फाइल।

आज्ञा से,

(सुभाष चन्द्र)  
अनु सचिव।



प्रेषक,

ओम प्रकाश,  
अपर मुख्य सचिव,  
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,  
चिकित्सा शिक्षा विभाग,  
निदेशालय, देहरादून।

चिकित्सा शिक्षा अनुभाग-1

देहरादून: दिनांक/5 जुलाई, 2017

विषय:- राजकीय मेडिकल कॉलेजों में एम0बी0बी0एस0 पाठ्यक्रम में अनिवार्य राजकीय सेवा संबंधी नवीन के क्रियान्वयन के संबंध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक अपने पत्र संख्या-2984/चि0शि0/01/निदे0/153/2017 दिनांक 07.07.2017 एवं पत्र संख्या-3054/चि0शि0/03/मेडिकल/15/2017 दिनांक 13.07.2017 का सन्दर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें।

2- अवगत कराना है कि शासनादेश संख्या-2954/XXVIII(1)/2016-19(मे0का0)/2015 दिनांक 20.01.2017, शासनादेश सं0-1145/XXVIII(1)/2013-U.O-03/2008 दिनांक 23.05.2013 के माध्यम से पूर्व में शासनादेश सं0-943/XXVIII(1)/2008-19/2005 T.C-IV दिनांक 23.07.2008 तथा शासनादेश सं0-2735/दस-2005-8(9)/2004 दिनांक 23.07.2008 द्वारा निर्धारित अनिवार्य राजकीय सेवा संबंधी पूर्व बॉण्ड को संशोधित कर उसके स्थान पर एम0बी0बी0एस0 तथा एम0डी0/एम0एस0 पाठ्यक्रम में रियायती दरों पर अध्ययनरत छात्र-छात्राओं हेतु अनिवार्य राजकीय सेवा संबंधी नवीन बॉण्ड प्रख्यापित किया गया।

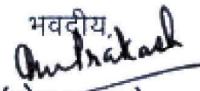
3- अवगत कराना है कि उक्तानुसार एम0बी0बी0एस तथा एम0डी0/एम0एस0 पाठ्यक्रम हेतु नवीन बॉण्ड प्रख्यापित किये जाने के पश्चात भी प्रायः यह संज्ञान में आया कि रियायती दर पर एम0बी0बी0एस0 तथा एम0डी0/एम0एस0 पाठ्यक्रम पूर्ण करने के पश्चात बॉण्डधारी चिकित्सकों द्वारा अनिवार्य राजकीय सेवा संबंधी बॉण्ड के अनुपालन को निष्फल किये जाने के उद्देश्य से मा0 न्यायालय के समक्ष विभिन्न रिट याचिकायें योजित करके अनिवार्य राजकीय सेवा संबंधी बॉण्ड के अनुपालन से बचने का प्रयास किया जा रहा है, जिसका प्रतिकूल प्रभाव राज्य की स्वास्थ्य सेवाओं पर पड़ रहा है।

4- उक्त संबंध में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि शासनादेश सं0-2954/XXVIII(1)/2016-19(मे0का0)/2015 दिनांक 20.01.2017 के माध्यम से राजकीय मेडिकल कॉलेजों में रियायती दरों पर एम0बी0बी0एस0 तथा एम0डी0/एम0एस0 पाठ्यक्रम में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं हेतु प्रख्यापित बॉण्ड को निम्नवत् संशोधित किये जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :-

- i- शासनादेश सं0-2954/XXVIII(1)/2016-19(मे0का0)/2015 दिनांक 20.01.2017 के माध्यम से राजकीय मेडिकल कॉलेजों में एम0बी0बी0एस0 पाठ्यक्रम में रियायती दरों पर अध्ययनरत छात्र-छात्राओं हेतु प्रख्यापित बॉण्ड के प्रस्तर-5(iv)(a)(b) तथा प्रस्तर-6(2) में विहित व्यवस्था को संशोधित करते हुए बॉण्ड धनराशि को घटाकर एकमुश्त ₹ 1,00,00,000/- (₹ एक करोड़ मात्र) निर्धारित किया जाता है।
- ii- शासनादेश संख्या-1145/XXVIII(1)/2013-U.O-03/2008 दिनांक 23.05.2013 के साथ संलग्न बॉण्ड में राजकीय मेडिकल कॉलेजों में प्रवेश लेने वाले बॉण्डधारी एम0बी0बी0एस0 छात्र-छात्राओं को पाठ्यक्रम पूर्ण करने के उपरान्त पर्वतीय क्षेत्रों में 03 वर्ष की अनिवार्य सेवा अवधि को बढ़ाकर 05 वर्ष की अनिवार्य सेवा अवधि किया जाता है।



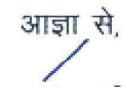
- 5- उपरोक्तानुसार संशोधन शैक्षणिक सत्र 2017-18 से लागू होंगे।
- 6- यदि ऐसे छात्र-छात्रा द्वारा पर्वतीय सेवा अवधि 05 वर्ष से कम में सेवा का परित्याग किया जाता है अथवा अनाधिकृत रूप से 02 माह से अधिक लगातार अनुपस्थित रह जाता है, तो उसे शेष रह गयी अवधि के अनुपात में बॉण्ड की धनराशि राजकोष में जमा करनी होगी।
- 7- एम0बी0बी0एस0 बॉण्डधारी चिकित्सकों को पंजीकरण के उपरान्त प्रथम वर्ष में राज्य के 09 जिलों (देहरादून, नैनीताल, हरिद्वार एवं ऊधमसिंह नगर को छोड़कर) के जिला चिकित्सालयों में/आधार चिकित्सालयों में तैनात किया जायेगा। इसके उपरान्त उन्हें इन्हीं जिलों के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों में तैनात किया जायेगा। 02 माह से कम की अनाधिकृत अनुपस्थिति की दशा में उनके वेतन से निम्नानुसार कटौती की जायेगी :-
- किसी माह में 01 से 10 दिनों तक की अनाधिकृत अनुपस्थिति की दशा में वेतन कटौती प्रति दिवस दोगुना वेतन कटौती के अनुसार होगी।
  - किसी माह में 10 दिनों से अधिक की अनाधिकृत अनुपस्थिति पर मेडिकल बोर्ड का प्रमाण पत्र न होने की दशा में एक माह के वेतन के बराबर कटौती होगी।
- 8- उक्त के अतिरिक्त शासनादेश सं0-1145/XXVIII(1)/2013-U.O-03/2008 दिनांक 23.05.2013 के माध्यम से राजकीय मेडिकल कॉलेजों में रियायती दरों पर एम0बी0बी0एस0 तथा एम0डी0/एम0एस0 पाठ्यक्रम में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं हेतु प्रख्यापित बॉण्ड में विहित शेष शर्तें एवं प्रतिबन्ध यथावत् रहेंगे।
- 9- उपरोक्त में विहित प्राविधानों के अनुपालन का उत्तरदायित्व महानिदेशक, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, उत्तराखण्ड/निदेशक, चिकित्सा शिक्षा विभाग, देहरादून तथा समस्त राजकीय मेडिकल कॉलेजों के प्राचार्यों का होगा।
- 10- उक्त संबंध में कृत कार्यवाही से तत्काल तथा भविष्य में समय-समय पर शासन को अवगत कराना सुनिश्चित करें।

भवदीय,  
  
 (ओम प्रकाश)  
 अपर मुख्य सचिव।

**संख्या- /XXVIII(1)/2016-19(मे0का0)/2015 एवं तददिनांक।**

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. महानिदेशक, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, उत्तराखण्ड।
2. महालेखाकार, उत्तराखण्ड, माजरा, देहरादून।
3. निजी सचिव, मा0 मुख्यमंत्री को मा0 मुख्यमंत्री जी के संज्ञानार्थ।
4. आयुक्त, गढ़वाल मण्डल/कुमायूँ मण्डल।
5. समस्त प्राचार्य, राजकीय मेडिकल कॉलेज, उत्तराखण्ड।
6. समस्त जिलाधिकारी, उत्तराखण्ड।
7. समस्त कोषाधिकारी, उत्तराखण्ड।
8. एन0आई0सी0, उत्तराखण्ड, देहरादून।
9. गार्ड फाइल।

आज्ञा से,  
  
 (शिव शंकर मिश्रा)  
 अनु सचिव।



**FORMAT BOND**  
**(For PG-MEDICAL STUDENTS)**

( To Be Executed on Stamp Paper of the value as applicable under Stamp Duty Act)

KNOW ALL MEN BY THESE PRESENTS THAT We Shri/Smt \_\_\_\_\_  
Son/daughter/wife of \_\_\_\_\_ residing at (Residential Address)

\_\_\_\_\_ (hereinafter called “ the Bounden”) and (1) Shri/Smt \_\_\_\_\_

\_\_\_\_\_ (2) Shri/Smt \_\_\_\_\_

\_\_\_\_\_ (hereinafter called “ the Sureties”) do hereby bind ourselves and each of us respective heirs, Executors & administrators residing at \_\_\_\_\_ Jointly and severally to pay to Govt. of Uttarakhand on demand the total amount of Rs 2,50,00,000 ( Rupees Two Crore Fifty Lakh only ) towards failure to fulfil the obligation/for violation of the condition here-in-after mentioned.

Signed this \_\_\_\_\_ day of \_\_\_\_\_ in the year \_\_\_\_\_ 2017 \_\_\_\_\_ by the bounden Shri/Smt \_\_\_\_\_

1. Signed by Bounden \_\_\_\_\_

In Presence of Sureties:-

1. Signed by Shri/Smt \_\_\_\_\_

\_\_\_\_\_ (First Surety )

2. Signed by Shri/Smt \_\_\_\_\_

\_\_\_\_\_ (Second Surety )

In the Presence of Witness :-

1. Shri/Smt \_\_\_\_\_

2. Shri/Smt \_\_\_\_\_

WHEREAS the Bounden Shri/Smt \_\_\_\_\_ has been selected to undergo \_\_\_\_\_ ( here enter the name of the course of Study) on the basis of merit of NEET PG entrance in....GOVT MEDICAL COLLEGE HALDWANI....( Name of Institution) \_\_\_\_\_ for a period of duration of course. AND WHEREAS after successful completion of the course of study the bounden shall serve any of Government Hospital/Health centre situated in hilly region of the state for a period of Two years anywhere in Uttarakhand and also subject to the terms and conditions hereinafter appearing and the bounden and the Sureties have agreed to the same. NOW the condition of the above written obligation is that in the event the bounden discontinues the study or after completion of the MD/MS course of study to which he/she was selected fails to serve the Government of Uttarakhand for



period of Two years, the Bounden and Sureties shall forthwith pay to the Government of Uttarakhand on demand the total amount of Rs 2, 50,00,000 ( Rupees Two Crore Fifty Lakh only) towards failure to fulfil the obligation. The bond is legally binding on the bounden and the sureties and upon the payment of such sum the above written obligation shall be void and of no effect otherwise this shall remain in full force and effect. PROVIDED further that the bounden and the sureties do hereby agree if the bounden discontinues the study or after completion of the PG (MD/MS) course of study to which he/she was selected fails to serve the Government of Uttarakhand for a period of Two years, it may construed as professional misconduct and the fact reported to the Medical Council of India or the Medical Council of the State concerned for suitable action including cancellation for registration by the Council. PROVIDED further that the bounden and the sureties do hereby agree that all sums found due to the Government of Uttarakhand under or by virtue of this bond shall be recovered jointly and severally from them and there properties movable and immovable as if such dues were arrears of land revenue under the provisions of revenue recovery act for the time being in force or in such other manner as the Government may deem fit. PROVIDED further that it is not necessary for the Government to sue the bond holder before taking action on the surety, under this bond and liabilities for the sureties is co-extensive with that of the Bunden and shall not be effected by the Government within time or any other indigence to the Bounden or by the Government varying of the terms and conditions herein contained.

Signed this \_\_\_\_\_ day of \_\_\_\_\_ in the year \_\_\_\_\_ by the Bounden

Shri/Smt \_\_\_\_\_  
Signature

In Presence of Sureties:-

1. Signed by Shri/Smt \_\_\_\_\_  
\_\_\_\_\_  
(First Surety )

2. Signed by Shri/Smt \_\_\_\_\_  
\_\_\_\_\_  
(Second Surety )

In the Presence of Witness :-

1. Shri/Smt \_\_\_\_\_  
\_\_\_\_\_  
2. Shri/Smt \_\_\_\_\_  
\_\_\_\_\_  
3. \_\_\_\_\_

\*Dean/Administrative officer of concerned Institution will Sign as Witness.

\*\* Proof of Residential Address of Bounden and Surety is to be obtained.



**BOND\* SIGNED/EXECUTED BY**  
**POST GRADUATE MEDICAL STUDENT SELECTED FOR**  
**ADMISSION.....**  
**AT GOVERNMENT MEDICAL COLLEGES UTTARAKHAND, HIS/HER**  
**FATHER/PARENT/GUARDIAN, AND THE OTHER SURETY.**

Self Attested  
Photograph of the  
PG Medical  
Student

**THIS BOND is executed on the.....day of .....by.....at present student of MD/MS course at.....(hereinafter called ‘PG medical student’), his/her father/parent/guardian.....s/o/w/o.....r/o....(hereinafter Called’ the first surety’)and.....s/o/w/o.....r/o.....(hereinafter called ‘the second surety’) the expressions which include their heirs, executors, administrators and representatives who hereby bind themselves jointly and severally to the Government of Uttarakhand (hereinafter called ‘the Government’ which expression shall include its successors and assignees) that after successful completion of the MD/MS course, the medical student shall serve the State of Uttarakhand as Medical Officer/Specialist on contract basis at least for a minimum period of 2 years in any of the Government Hospital or Health Centre situated in hilly region of the State failing which they shall be liable severally or jointly to pay the Government full tuition fees of the entire MD/MS course calculated at prevailing rate along with such interest as may be determined by the Government, as described in clause no. 3 of this bond.**

WHEREAS, Medical Facilities in the State have to be strengthened,

WHEREAS, the State of Uttarakhand is facing an acute shortage of MBBS & Specialist doctors and a large number of posts of Government Doctors are lying vacant in the hilly areas affecting the delivery of health services,

WHEREAS, in such circumstances, the Government has decided that all the PG students enrolling in Government Medical Colleges, Uttarakhand against the State Quota **and also the students of Central quota** shall have an option to complete the MD/MS course on payment of subsidized tuition fees of Rupees **60,000 (Sixty Thousand)** per annum as against the full tuition fees of Rupees 5,00,000 (Five Lakh) per annum.



WHEREAS, the present PG medical student of this bond has opted for the subsidized fees and in consideration there of agrees to serve the State as a Medical Officer/Specialist Doctor on contract basis for minimum of two years in any of the Government Hospital/Health Centre situated in hilly region of the State after completion of the MD/MS Course.

AND WHEREAS, the Medical Student and his/her first and second sureties have agreed to pay the Government jointly and severally the Bond Amount (Full fees of the MD/MS Course minus the fees already paid with compound interest thereon at prevailing Bank lending rate), if the PG Medical Student does not or refuses to serve the State as above,

NOW THEREFORE, the conditions of the present Bond/Service Contract executed by the PG Medical Student, his/her First Surety and Second Surety on one part and by..... Principal of the.....on behalf of the Government of Uttarakhand on another are as follows-

1. That as part of the present bond, the Government will charge subsidized tuition fees of **Rs. 60,000/- (Rs. Sixty Thousand) per year** from the students executing the bond under this scheme. This is a subsidized tuition fees as compared to full annual tuition fees of Rs. 5,00,000/- (Five Lakh) per annum.

2. (1) That the PG medical student will undergo all such courses and training as the Government may prescribe from time to time at Government Medical Colleges, Uttarakhand and associated Institutions. Attendance at all prescribed course and training course is compulsory and absence from which without prior permission from the Appropriate Authority will attract disciplinary and other action as per rules laid down by the Uttarakhand Government.

2. (2) That the PG medical student during his/her study at the Government Medical Colleges of Uttarakhand shall be governed by the prescribed standing orders, code of conduct and any other instructions in this regard and violation of these orders/instructions shall attract penalties awarded by the Government of Uttarakhand/Competent Authority and other action as per rules laid down by the Government/Competent Authority whose decision shall be final.

2. (3) That the PG medical student after successful completion of MD/MS Degree Course/Training unless he/she is prevented from doing so by death or on account of ill health or by being removed from the college roll on the grounds that he/she is considered by the Appropriate Authority to be unfit to continue as a PG medical student (of which the decision of Government of Uttarakhand/Appropriate Authority shall be final), if offered position as a medical officer/Specialist on contractual basis in any of the

Government Hospital/Health Centre in hilly areas of Uttarakhand, shall serve as such for a minimum of two years.

2.(4) That the medical student who have already got subsidized medical education in his/her MBBS course by the Uttarakhand State Government and got selected in MD/MS courses of



Government Colleges of Uttarakhand and opt again for subsidized medical education for his/her post graduation education shall also be bound to serve the state of Uttarakhand as medical officers/Specialist on contract basis at least for a period of two years in addition to the number of years laid down for compulsory service in his/her MBBS bond in any of the Government Hospital or Health centre situated in hilly region of the state failing which he/she shall be liable severally or jointly to pay the Government the total bond amount for both the bonds (executed by him/her) along with compound interest thereupon on prevailing Bank lending rate, as may be determined by the Government of Uttarakhand.

**2. (5)** That the sureties shall be liable severally and jointly to fulfil the conditions of this bond provided the student is declared a Non-Service Liability under Para 5 and 6 herein below. This bond shall subsist throughout the period until the PG student serve the State as a medical officer/Specialist on contractual basis in the any of the Government Hospital/Health Centre in hilly areas of Uttarakhand for a minimum of two years after completion of MD/MS course, as the case may be, and shall only be discharged from service liability under the bond when the State Government/Appropriate Authority (Directorate, Medical, Health & Family Welfare/Medical Education, Uttarakhand) has issued a certificate to this effect.

**2. (6)** That if PG medical student does not or refuses to serve the State as a medical officer/Specialist on contractual basis in any of the Government Hospital/Health Centre in hilly areas of Uttarakhand for a minimum of two years after completion of MD/MS course, as the case may be, under the present service bond, the Bond Amount shall be paid by the sureties severally and jointly to the Government along with compound interest thereupon on prevailing Bank lending rate, as may be determined by the Government of Uttarakhand.

**2. (7)** That both the sureties agree that the Bond Amount or any other amount which they under the present bond are liable to pay the Government severally or jointly, shall be recoverable from them as arrears of land revenue under the Uttar Pradesh Public Moneys (Recovery of Dues) Act, 1972 (as applicable in the State of Uttarakhand) or any other law relating to recovery of money as arrears of land revenue.

**2. (8)** That the PG medical student and his/her father/mother/legal guardian as first surety agree that the original degree of MD/MS course awarded to the student would be kept in the safe custody of the principal,.....Medical college till the conditions of this bond are fulfilled by the student and his/her sureties and the State Government/Appropriate Authority (Directorate, Medical, Health & Family Welfare Medical Education, Uttarakhand) has issued a certificate to that effect under the sub-para (5) above.

**3.** That the PG medical student once having joined the college will not be permitted to withdraw from the college after admission without payment or recovery as the case may be, of the Bond Amount calculated at the rate of Rs. 5,00,000/-(Rupees Five Lakh) per year or part thereof limited to the maximum of Rs 15 lakh along with compound interest thereupon on prevailing Bank lending rate, as may be determined by the Government of Uttarakhand, minus the subsidized fees already paid. It is agreed that the PG medical student shall be



withdrawn/removed from the roll of the Government Medical Colleges, Uttarakhand by the Appropriate Authority on any of the following grounds:-

- (i) Unsatisfactory/disciplinary conduct during the course or training at the College and till the date of the course completion as determined by the college authorities and approved by the Director General, Medical Health & Family Welfare/Director, Medical Education, Uttarakhand whose decision shall be final and binding on the student.
- (ii) Unsatisfactory academic progress as reported by the college authorities and approved by the Government of Uttarakhand whose decision shall be final and binding on the student.
- (iii) Knowingly furnishing false particulars for admission to the said college.
- (iv) Failing to give correct medical history as required at the time of pre-admission Medical Board.
- (v) Any other condition which may be imposed by Government/Appropriate Authority from time to time.

4. That it is agreed that admission to Government Medical Colleges of Uttarakhand under the present bond implies service liability as Medical Officer/Specialist on contract basis for minimum of two years in any of the Government Hospital/Health Centre in hilly areas of Uttarakhand. If PG medical student decides not to continue as a service liability or intends to withdraw from the college at his/her own volition, he/she shall be allowed to continue his/her studies or withdraw from the college as a Non-Service Liability after payment of full fees of the course minus the subsidized fees already paid calculated from beginning of the course along with compound interest thereupon on prevailing Bank lending rate, as may be determined by the Government of Uttarakhand.

#### **5. Conditions of Non-Service Liability because of Medical reasons:**

That the PG medical student will be declared to have become Non-Service Liability on being declared medically unfit by a medical Board for service in hilly areas of Uttarakhand due to any disease/disability detected at any stage during the course, as under:-

- (i) The Medical Board headed by Director General, Medical Health and Family Welfare, Uttarakhand will express their opinion on the circumstances under which the Student acquired the disease/disability and whether or not he/she had any control over those circumstances. On recommendations of the Medical Board, the PG Medical Student may be declared a Non-Service Liability.

If on the recommendations of the Medical Board headed by Director General, Medical Health and Family Welfare, Uttarakhand, the PG medical student is found permanently unfit for service in hilly areas of Uttarakhand during his/her course of studies, he/she would be removed from Service Liability and shall be liable to pay the Bond Amount



along with compound interest thereupon on prevailing Bank lending rate, as may be determined by the Government of Uttarakhand.

(ii) The Bond Amount will be paid within one month of being declared Non-Service Liability failing which the amount shall be recovered from PG medical student and his/her sureties of the Student severally or jointly in the manner as provided in sub-para (7) of para 2 of this Bond.

(iii) The quantum of Bond Amount to be recovered in each case shall be decided taking into account the following factors:-

- (a) Time elapsed between joining the MD/MS course and date of becoming Non-Service Liability.
- (b) Severity of the disease/disability.
- (c) Nature of the disease/disability whether constitutional for example as result of any accident on land, sea or air.

(iv) Based on the above factors, the Bond Amount to be recovered from the PG medical student and his/her sureties shall be computed as under:-

(a) The Bond Amount shall be calculated at the rate of Rs. 5,00,000/- (Rupees Five Lakh) per year or part thereof limited to the maximum of Rs 15 lakh along with compound interest thereupon on prevailing Bank lending rate, as may be determined by the Government of Uttarakhand minus the subsidized fees already paid in Government Medical Colleges, Uttarakhand.

A basic minimum sum shall be recovered in all cases for the free medical education and allied facilities provided by the Government. Depending on the year in which the PG student has been admitted and the year of study in which the PG student is declared Non-Service Liability, minimum charges as under shall always be levied in addition-

First year	Rs. 60,000.00
Second year	Rs. 1,20,000.00
Third year	Rs. 1,80,000.00

(b) Bond Amount (in addition to a maximum of Rs 1,80,000.00 mentioned above) shall be decided on severity of the disease/disability suffered by the student **(in instances of diseases/disability)**.

(v) However, full **waiver** of money may be granted by the Government of Uttarakhand in case of grave illness/severe disability necessitating withdrawal from the college or on death of the PG student on the basis of individual cases.

(vi) Provided that the PG student point (i) above, may be allowed to continue his/her stay in the hostel on payment of the normal expenses of education including tuition



fee and fees for boarding and lodging facilities as applicable from time to time if he/she has contracted the disease/disability in the circumstances over which he/she has no control and for which he/she has not refused treatment. The decision of the Government in this regard shall be final.

**6. Conditions of Non-Service Liability because of non-medical reasons:"**

**(1)** That the PG medical student shall also be declared to have become Non-Service Liability in any of the following condition:-

**(i)** If he fails to attain attendance below 50% in any consecutive terms of the course for reasons other than medical.

**(ii)** If he fails to qualify final PG examination within a period of five years from the date of admission in the college.

**(2)** Where the PG medical student becomes Non-Service Liability under sub-para (1) above, Government shall have right to recover from the student and his/her sureties full tuition fees at the rate of Rs. 5,00,000/- (Five Lakh) per year (minus tuition fees already paid) for each year of the student's stay at the Medical college along with compound interest.

**7.** That where PG medical student is declared a Non-Service Liability under Para 5,6 and any other provision of this Bond, the sureties shall jointly and severally be liable to pay forthwith to the Government full fees of the MD/MS course for the period from the date of admission to date of becoming non service liability or removal from the college rolls, limited to a maximum of Rupees Fifteen Lakh minus fee paid along with compound interest thereupon on prevailing Bank lending rate, as may be determined by the Government of Uttarakhand. Additional Simple interest shall be levied for late payment i.e. if payment is delayed beyond 45 days from the date of becoming Non-Service Liability or from the date of withdrawal from college. In case of removal from the college, all dues will be settled before leaving the college.

**8.** That where PG medical student refusing two years service in hilly regions of Uttarakhand as offered by the Department under this Bond, offers to pay the Government the Bond Amount, he/she may be released from Service Liability by the administration of the medical college on payment of the Bond Amount along with compound interest thereupon on prevailing Bank lending rate, as may be determined by the Government of Uttarakhand in the account of medical college concerned.

**9.** That PG medical student while taking admission in Government Medical Colleges, Uttarakhand shall deposit a sum of Rupees 5000/- (Rupees five thousand only) as refundable security money. If the PG medical student withdraws from the college on his/her volition prematurely, the security money shall stand forfeited to the Government.



**10.** That liability of the sureties shall not be impaired or discharged by reason of time being granted, any forbearance of the Government or any other person authorized by it (whether with or without the knowledge or consent of the surety) nor shall it be necessary for the Government to sue the PG medical student and his/her first surety before suing the second surety.

**11.** That it is agreed that except in cases where any sum of money is recovered by the Government under the present Bond as arrears of land revenue, if there is any dispute to the effect, meaning of these presents, or otherwise, however, except as to matters for which specific provision has been made in these presents, the same shall be referred to the sole arbitration of the Principal Secretary/Secretary, Department of Medical Education, Government of Uttarakhand or any other person appointed by him as the sole arbitrator whose decision shall be final and binding on the parties. The provision of the Arbitration and Conciliation Act 1996, as amended from time to time, shall apply to such arbitration.

Having clearly understood and agreed with the terms and conditions herein above and in witness thereof the parties (PG Medical Student, First and second Surety) do hereby affix their signatures on the day mentioned above.

**1.** .....

Signature of PG Student

Details of Student (Name etc.).....

Self  
attested  
photograph  
of the  
Student

**2.** .....

Signature of parent/guardian/first surety of the PG medical student

In the presence of:-

1) .....

2) .....

3) .....

Self  
attested  
photograph  
of  
parent/gua  
rdian/Ist  
Surety

**3.** Signature of second surety of the PG medical student

Self  
attested  
photograph  
of 2<sup>nd</sup>  
Surety

in the presence of:-

1) .....

2) .....



**Note- Self attested photocopies of ID proof of First and Second Surety to be submitted.**

### **DECLARATION BY FIRST SURETY**

I.....S/o/D/o.....R/o.....  
.....Occupation.....whose signature is appended to in this bond  
as first surety, do hereby declare that:-

(a) I am in service of the.....Central/State Government/Local  
Authority/Corporation/Body/Enterprise owned or controlled by the Central/State  
Government or self employed. My present designation, details of the employer  
and office address is  
.....

(b) I ordinarily reside in India and that I possess means which will enable me to repay  
to the Government the sum of money referred to in the event of my being called  
upon to do so in accordance with the terms of this Bond.

(c) I possess immovable property details of which are as follows:- (photocopy  
enclosed).....

### **(Signature of First Surety)**

(Surety means able to discharge one's debts and obligation in full)

Signed of the above named surety in the presence of:-

### **WITNESS**

1) .....

2) .....

### **DECLARATION BY SECOND SURETY**

I.....S/o/D/o.....R/o.....  
.....Occupation.....whose signature is appended to in this  
bond as second surety, do hereby declare that:-

(a) I am in service of the.....Central/State Government/Local  
Authority/Corporation/Body/Enterprise owned or controlled by the Central/State  
Government or self employed. My present designation, Details of The employer  
and office address is



.....

(b) I ordinarily reside in India and that I possess means which will enable me to repay to the Government the sum of money referred to in the event of my being called upon to do so in accordance with the terms of this Bond.

(c) I possess immovable property details of which are as follows:- (photocopy enclosed).....

**(Signature of Second Surety)**

(Surety means able to discharge one's debt and obligation in full)

Signed of the above named surety in the presence of:-

**WITNESS**

1) .....

2) .....

4. **Signed by**.....

**Name and designation**

(To be signed by the Principal of .....Government Medical Colleges for and on behalf of the Government of Uttarakhand) in the presence of:-

1) .....

2) .....

\* format of bond is for information only. The bond will be provided by the medical college at the time of admission.